

लघु एवं अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1. संस्कृति क्या है?

संस्कृति किसी समाज या समुदाय के परिष्कृत रहन-सहन, परंपराओं, नैतिक मूल्यों, विचारों, कला, भाषा और जीवन जीने की शैली का सामूहिक रूप है, जो मानव को सुसंस्कृत बनाती है।

2. संस्कृत का अध्ययन लाभकारी क्यों है?

संस्कृत का अध्ययन प्राचीन भारतीय विज्ञान, दर्शन और गौरवशाली इतिहास को मूल रूप में समझने, भाषाई शुद्धता (व्याकरण) प्राप्त करने, मानसिक एकाग्रता बढ़ाने तथा आधुनिक कंप्यूटर कोडिंग/प्रोग्रामिंग के लिए इसके वैज्ञानिक व्याकरण के कारण अत्यंत लाभकारी है।

3. **लोग संस्कृत को मृतभाषा क्यों कहते हैं?**

लोग संस्कृत को मृतभाषा (Dead Language) इसलिए कहते हैं क्योंकि आधुनिक समय में यह समाज में दैनिक बोलचाल या लोक-व्यवहार की मुख्य भाषा नहीं रही है, यद्यपि यह आज भी धार्मिक अनुष्ठानों, दर्शन और साहित्य में पूरी तरह जीवित है।

4. **प्राचीन ज्ञान विज्ञान किस भाषा में लिखे गए हैं?**

प्राचीन भारतीय ज्ञान-विज्ञान मुख्य रूप से **संस्कृत** भाषा में लिखे गए हैं।

5. **धातुएँ तीन प्रकार की होती हैं। उनके नाम लिखें।**

संस्कृत व्याकरण में पद के आधार पर धातुएँ तीन प्रकार की होती हैं:

- **परस्मैपद** (जैसे: पठ्)
- **आत्मनेपद** (जैसे: लभ्)
- **उभयपद** (जैसे: कृ - जो दोनों पदों में चलती है)

6. **संस्कृत में लकारों की कुल संख्या कितनी है?**
संस्कृत व्याकरण में लकारों की कुल संख्या **10 (दस)** है (यद्यपि सामान्य अध्ययन में मुख्य रूप से 5 लकारों का अधिक प्रयोग होता है)।

7. **किस परीक्षा में संस्कृत ऐच्छिक विषय के रूप में है?**

संस्कृत **UPSC (सिविल सेवा परीक्षा)** और विभिन्न राज्यों की लोक सेवा आयोग (जैसे BPSC, UPPSC) की मुख्य परीक्षाओं में एक ऐच्छिक (Optional) विषय के रूप में उपलब्ध है।

8. **संस्कृत में लिखे गए दो गणित पुस्तकों के नाम बताएँ।**

- **आर्यभटीयम्** (आर्यभट्ट द्वारा रचित)
- **लीलावती** या **सिद्धान्तशिरोमणि** (भास्कराचार्य द्वारा रचित)

9. वेदांग कितने हैं? उनके नाम लिखें।

वेदांगों की कुल संख्या 6 (छह) है। उनके नाम इस प्रकार हैं:

- शिक्षा
- कल्प
- व्याकरण
- निरुक्त
- छंद
- ज्योतिष

10. सामवेद में कैसे मंत्र हैं?

सामवेद में मुख्य रूप से गेय (गाने योग्य/संगीतमय) मंत्र हैं, जिनका गान यज्ञों के अवसर पर देवताओं की स्तुति के लिए किया जाता था। इसे भारतीय संगीत का जनक माना जाता है।

11. विघ्न निवारक मंत्र किस वेद में हैं?

विघ्न निवारक, शांति-कर्म, आयुर्वेद और दैनिक जीवन के कष्टों को दूर करने वाले मंत्र मुख्य रूप से **अथर्ववेद** में हैं।

12. चारों वेदों को क्रम से लिखें।

चारों वेदों का सही क्रम निम्नलिखित है:

13. ऋग्वेद

14. यजुर्वेद

15. सामवेद

16. अथर्ववेद

17. यजुर्वेद कितने प्रकार का है? उनके नाम लिखें।

यजुर्वेद दो प्रकार का है:

- शुक्ल यजुर्वेद
- कृष्ण यजुर्वेद

17. **यजुर्वेद कितने प्रकार का है? उनके नाम लिखें।**

यजुर्वेद दो प्रकार का है:

- शुक्ल यजुर्वेद
- कृष्ण यजुर्वेद

14. **उद्गाता किसे कहा गया है?**

यज्ञ के समय सामवेद की ऋचाओं (मंत्रों) का सुमधुर स्वर में गान करने वाले पुरोहित को **उद्गाता** कहा गया है।

15. **ज्ञान किसे कहा गया है?**

सत्य, धर्म और आत्मा के वास्तविक स्वरूप को जान लेना तथा अज्ञानता के अंधकार से मुक्त होकर विवेक प्राप्त करना ही वास्तविक **ज्ञान** कहलाता है। शास्त्रों के अनुसार— "*सा विद्या या विमुक्तये*" (अर्थात् जो मुक्ति दिलाए, वही ज्ञान/विद्या है)।

16. 'कर्मणि द्वितीया' को उदाहरण सहित लिखें।

- **नियम:** वाक्य में कर्ता अपनी क्रिया के द्वारा जिसे सबसे अधिक चाहता है, उसे 'कर्म' कारक कहते हैं और कर्म में हमेशा **द्वितीया विभक्ति** का प्रयोग होता है।
- **उदाहरण:** रामः पुस्तकम् पठति। (यहाँ 'पुस्तकम्' में कर्मणि द्वितीया विभक्ति लगी है।)

20. भैरवानन्द कौन थे? ब्राह्मण पुत्रों को कहाँ मिले?

- **भैरवानन्द:** वे एक सिद्ध तांत्रिक/योगी थे जिनके पास अलौकिक सिद्धियाँ थीं (यह पंचतंत्र की कथा का हिस्सा है)।
- **कहाँ मिले:** चारों ब्राह्मण पुत्रों को भैरवानन्द महाकाल (उज्जयिनी) के आश्रम में मिले थे।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

26. उपनिषदों में किसका वर्णन है? चार पंक्तियों में लिखें।

- उपनिषदों में मुख्य रूप से **ब्रह्म, आत्मा, परमात्मा और सृष्टि** के रहस्यमयी दार्शनिक स्वरूप का गंभीर विवेचन किया गया है।
- इनमें सांसारिक मोह-माया के त्याग, जीवन के परम उद्देश्य और मोक्ष (मुक्ति) प्राप्ति के आध्यात्मिक साधनों का वर्णन है।
- उपनिषद बाहरी कर्मकांडों के स्थान पर आंतरिक शुद्धता और **ज्ञान मार्ग** को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं।
- इन्हें 'वेदांत' भी कहा जाता है क्योंकि ये वेदों के अंतिम और सबसे श्रेष्ठ वैचारिक भाग माने जाते हैं।